राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

Yearly Grading Scheme

M.P.A in KATHAK – Ist YEAR – Ist SEM - REGULAR

2023-24

No	Subject Nature	Mid Term With Attendance	End Term	Total Mark%	Min Mark%
1.	**A. CORE SUBJECT Kathak**				
	Theory Core 1				
	1. History and Development of Indian Dance- C1- MDK-101	30	70	100	36%
	2.Essay composition rhythmic pattern and principal of practical -C1-MDK-102	30	70	100	36%
2.	**Technical Course Practical Core 2**				
	1. Demonstration & Viva –C2-MDK-101	30	70	100	36%
	2. Stage Performance -C2-MDK-102	30	70	100	36%
	3. Lecture Demonstration–C2-MDK-103	30	70	100	36%

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

Yearly Grading Scheme

M.P.A in KATHAK – Ist YEAR – IInd SEM - REGULAR

2023-24

No	Subject Nature	Mid Term With Attendance	End Term	Total Mark%	Min Mark%
1.	**A. CORE SUBJECT Kathak** **Theory Core 1** 2. History and Development of Indian Dance- C1- MDK-101 2.Essay composition rhythmic pattern and principal of practical -C1-MDK-102	30 30	70 70	100 100	36% 36%
2.	**Technical Course Practical Core 2** 1- Demonstration & Viva –C2-MDK-101 2- Stage Performance -C2-MDK-102 3- Lecture Demonstration–C2-MDK-103	30 30 30	70 70 70	100 100 100	36% 36% 36%

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

Yearly Grading Scheme

M.P.A in KATHAK – IInd YEAR – IIIrd SEM - REGULAR

No	Subject Nature	Mid Term With Attendance	End Term	Total & Mark%	Min Mark%
1.	**A. CORE SUBJECT** **Kathak Theory Core 1** 1. History and Development of Indian Dance- C1-MDK-305 2. Essay composition rhythmic pattern and principal of practical -C1-MDK-102	30 30	70 70	100 100	36% 36%
2.	**Technical Course Practical Core 2** 3. Demonstration & Viva –C2-MDK-307 4. Stage Performance -C2-MDK-308 5. Lecture Demonstration -C2-MDK-309	30 30 30	70 70 70	100 100 100	36% 36% 36%

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

Yearly Grading Scheme

M.P.A in KATHAK – IInd YEAR - IVth SEM - REGULAR

No	Subject Nature	Mid Term With Attendance	End Term	Total Mark%	Min Mark%
1.	**A. CORE SUBJECT** **Kathak Theory Core 1** 4. History and Development of Indian Dance- C1-MDK-407 5. Essay composition rhythmic pattern and principal of practical -C1-MDK-102	30 30	70 70	100 100	36% 36%
2.	**Technical Course Practical Core 2** 3. Demonstration & Viva –C2-MDK-410 4. Stage Performance -C2-MDK-411 5. Choreography - C2-MDK-412	30 30 30	70 70 70	100 100 100	36% 36% 36%

एम.पी.ए.(नियमित)
विषय–कथक नृत्य
शास्त्र– प्रथम प्रश्न पत्र
सेमेस्टर–1

कथक नृत्य का इतिहास एवं विकास
(History and development of Indian dance)

समय : 3 घण्टे	मिड टर्म	:	30
	प्रश्नपत्र	:	70
	पूर्णांक	:	100

इकाई–1
(अ) आचार्य भरत मुनि द्वारा रचित नाट्यशास्त्र में वर्णित विषयवस्तु का सामान्य अध्ययन।
(ब) नाट्य शास्त्र के अनुसार नाट्योत्पत्ति की कथा का अध्ययन। (प्रथम व अंतिम अध्याय के अनुसार)।
इकाई–2
(अ) (1)नाट्य शास्त्र के अनुसार रस निष्पत्ति का सिद्वांत एवं परवर्ती आचार्यो का रस सिद्वांत
(2) नव रसो का विशद अध्ययन एवं नृत्य कला में महत्व ।
(ब) नाट्य शास्त्र के अनुसार भाव का विशुद्ध अध्ययन।
इकाई–3
(अ) नाट्य शास्त्र के अनुसार रंगमंच का विस्तृत अध्ययन।
(ब) बैले का इतिहास एवं विकास तथा कथक नृत्य में इसका योगदान।
इकाई–4
(अ) नाट्य शास्त्र के अनुसार पूर्वरंग कथक नृत्य के संदर्भ में।
(ब) कथक नृत्य के आहार्य अभिनय का प्राचीन एवं आधुनिक स्वरूप तथा उसकी उपयोगिता।
इकाई–5
(अ) उत्तर भारतीय ताल लिपि पद्वतियों का अध्ययन।
(ब) लखनऊ के नवाब वाजिद अलीशाह के कार्यकाल का विशेष उल्लेख करते हुए, मुस्लिम दरबार में कथक नृत्य का उद्धार एवं विकास।

नोट– पाठ्यकम में निर्धारित ताल पंचम सवारी, रूद्र और तीन ताल
संदर्भित पुस्तकें–

1. भारतीय संस्कृति में कथक परंपरा (डॉ. मांडवी सिंह)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
3. ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में कथक नृत्य (डॉ. माया टाक)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग एक एवं दो (डॉ. पुरू दाधीच)

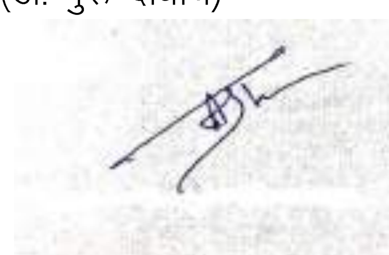

5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्यौहार)
6. संगीत दर्पण (श्री दामोदर पंडित)
7. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)
8. नृत्य निबन्ध (डॉ. पुरू दाधीच)
9. कथक प्रसंग (श्रीमती रश्मि वाजपेयी)
10. कथक ज्ञानश्वरी (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
11. कथक नृत्य परंपरा (डॉ. पम द्ब)
12. भारत के लोक नृत्य (प्रो. मोहम्मद शरीफ)
13. अभिनय दर्पण (डॉ. पुरू दाधीच)
14. कथक के संदर्भ में नर्तन भेद (डॉ. भगवानदास माणिक)
15. हिन्दी नाट्य शास्त्र (भाग 1,2,3,4) (प्रो. बाबूलाल शुक्ल शास्त्री)
16. भारतीय नाट्य परम्परा में अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गैरोला)
17. अंग काव्य (पं. बिरजू महाराज)
18. अक्षरों की आरसी (डॉ. ज्योति बख्शी)
19. मध्य प्रदेश के लोक नृत्य।
20. कथक नृत्य का मंदिरों से संबंध ''जयपुर घराने के विशेष संदर्भ में''(डॉ. अंजना झा)

एम.पी.ए(नियमित)

विषय–कथक नृत्य

शास्त्र– द्वितीय प्रश्न पत्र

सेमेस्टर–1

निबंध संरचना, लयकारी एवं प्रयोगात्मक सिंद्धात

(Essay composition rhythmic pattern and principal of practical)

समय : 3 घण्टे	मिड टर्म	:	30
	प्रश्नपत्र	:	70
	पूर्णांक	:	100

इकाई–1नृत्य से सम्बन्धित सामान्य विषय पर निबंध –

(अ) कथक नृत्य में सहकलाकारों एवं वाद्यों की भूमिका।
(ब) कथक नृत्य के आध्यात्मिक पक्ष का विश्लेषण।
(स) कथक नृत्य का काव्य पक्ष।

इकाई–2

(अ) लय का विस्तृत अध्ययन एवं कथक नृत्य में लयकारी का महत्व।
(ब) कथक नृत्य में ताल का महत्व एवं विस्तृत अध्ययन।

इकाई–3

(अ) आचार्य भरत के नाट्य शास्त्र के अनुसार 32 अंगहार का विस्तृत अध्ययन।
(ब) नाट्य शास्त्र के अनुसार नृत्य हस्तों की जानकारी।

इकाई–4

(अ) प्रायोगिक पक्ष में सीखी गई ताला पर – तीन ताल, पंचमसवारीऔर रूद्र ताल पर नृत्य के बोलों को लिपिबद्ध करने की क्षमता।
(ब) आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित अभिनय दर्पण के अनुसार देवहस्तो का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–5

निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर किए गए कथानकों पर नृत्यनाटिका संरचना करने की क्षमता :–0
(अ) मोहनी भस्मासुर। (ब) कालिया दमन।
(कथानक, मंच व्यवस्था, वेशभूषा, रूप सज्जा, पार्श्व संगीत, ताल एवं रस)

नोट–पाठ्यक्रम में निर्धारित ताल पंचम सवारी और ताल रूद्र

एम.पी.ए.(नियमित)
विषय–कथक नृत्य

प्रायोगिक 1 (वायवा / मंच प्रदर्शन)

(Stage Performance / Viva)

सेमेस्टर–1

मिड टर्म	:	30
प्रश्नपत्र	:	70
पूर्णांक	:	100

इकाई–1

तीन ताल में नृत्य पक्ष के सम्पूर्ण बोलों, तत्कार एवं तिहाईयों के साथ आधा घण्टे तक उच्चस्तरीय नृत्य प्रदर्शन की क्षमता। लखनऊ घराने की किसी दो बन्दिशों पर प्रदर्शन।

इकाई–2

कोई तीन गतनिकासऔर गतभावगंगावतरण।

इकाई–3

निम्नलिखित में से किसी एक ताल पर नृत्य प्रदशन की क्षमता–पंचम सवारी और ताल रूद्र ।

इकाई–4

गुरूवंदना एवं गणेश वंदना पर प्रदर्शन। भजन, ठुमरी और तराने पर भाव नृत्य प्रदर्शन।

इकाई–5

आंतरिक मूल्यांकन– विषय के प्रति रूचि व ग्रहणशीलता, अन्य कक्षाओं में नृत्य अध्यापन की योग्यता।

प्रायोगिक–2

(मंच प्रदर्शन / वायवा)

(Stage Performance / Viva)

सेमेस्टर–1

मिड टर्म	:	30
प्रश्नपत्र	:	70
पूर्णांक	:	100

(1) आमंत्रित दर्शकों के समक्ष राष्ट्रीय उच्चस्तरीय नृत्य का मंच प्रदर्शन।

(2) एम. पी. ए. में लेक्चर डेमोस्ट्रेशन।

आवश्यक निर्देश :– आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी। (1) कक्षा में सीखे गये तोडे–टुकडे, बंदीश आदि का लिपीबद्ध विवरण / नोटेशन (2) विश्वविद्यालय / महाविद्यालय एवं नगर में आयोजित नृत्य कार्यक्रमों की रिपोर्ट। इन फाईल्स का मूल्यांकन आन्तरिक परीक्षक को विद्यार्थियों की फाईल्स की ग्रेडिंग (श्रेणी) करके बाह्य परीक्षक के समक्ष प्रस्तुत करना होगा तथा छात्र–छात्राओं की उपस्थिति विवरण भी प्रस्तुत करना होगा, जिसके आधार पर बाह्य परीक्षक द्वारा अंतिम अंक मूल्यांकन किया जावेगा। जिस पर आंतरिक तथा बाह्य परीक्षक, दोनों के हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे

संदर्भित पुस्तकें:–

1. भारतीय संस्कृति में कथक परंपरा (डॉ. मांडवी सिंह)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
3. ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में कथक नृत्य (डॉ. माया टाक)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग एक एवं दो (डॉ. पुरू दाधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्यौहार)
6. संगीत दर्पण (श्री दामोदर पंडित)
7. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)
8. नृत्य निबन्ध (डॉ. पुरू दाधीच)
9. कथक प्रसंग (श्रीमती रश्मि वाजपेयी)
10. कथक ज्ञानेश्वरी (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
11. कथक नृत्य परंपरा (डॉ. प्रम दवे)
12. भारत के लोक नृत्य (प्रो. मोहम्मद शरीफ)
13. अभिनय दर्पण (डॉ. पुरू दाधीच)
14. कथक के संदर्भ में नर्तन भेद (डॉ. भगवानदास माणिक)
15. कथक नृत्य का मंदिरों से संबंध ''जयपुर घराने के विशेष संदर्भ में''(डॉ. अंजना झा)

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

Yearly Grading Scheme

M.P.A in KATHAK – Ist YEAR - IInd SEM - REGULAR

No	Subject Nature	Mid Term With Attendance	End Term	Total Mark%	Min Mark%
1.	**A. CORE SUBJECT** **Kathak Theory Core 1** 1.History and Development of Indian Dance- C1-MDK-203 2.Essay composition rhythmic pattern and principal of practical -C1-MDK-102	30 30	70 70	100 100	36% 36%
2.	**Technical Course Practical Core 2** 1. Demonstration & Viva –C2-MDK-204 2. Stage Performance -C2-MDK-205 3. Choreography - C2-MDK-206	30 30 30	70 70 70	100 100 100	36% 36% 36%

एम.पी.ए. (नियमित)
विषय–कथक नृत्य
शास्त्र– प्रथम प्रश्न पत्र

सेमेस्टर–2

कथक नृत्य का इतिहास एवं विकास
(History and Development of Indian Dance)

समय : 3 घण्टे

मिड टर्म	:	30
प्रश्नपत्र	:	70
पूर्णांक	:	100

इकाई–1

(अ) भारत में लोकनृत्य का उद्‌भव एवं विकास का अध्ययन एवं भारतीय सामाजिक जीवन से सम्बन्ध।
(ब) नाट्यशास़्त्र के अनुसार नाट्‌य के दस भेदो का अध्ययन।

इकाई–2

(अ) आचार्य भरत मुनि द्वारा रचित नाट्‌यशास्त्र के अनुसार स्थानक भेद।
(ब) नाट्‌यशास्त्र के अनुसार आंगिक अभिनय का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–3

(अ) कथक में नवीन प्रयोग एवं सम्भावनाएं।
(ब) नाट्‌यशास्त्र के अनुसार 1 से 30 करणों का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–4

(अ) नृत्य कला से सम्बन्धित प्राचीन ग्रन्थों की जानकारी।
(ब) रायगढ़ के राजा चक्रधार सिंह के कार्यकाल में कथक नृत्य का विकास एवं उनका योगदान।

इकाई–5

(अ) भारत की विभिन्न नृत्य – शौलियों का अध्ययन।

(अ) कथकली नृत्य (ब) उड़ीसी नृत्य

(स) भरतनाट्‌यम नृत्य (द) मणिपुरी नृत्य

(ब) साहित्य एवं नृत्यकला का सहसम्बन्ध।

नोट–प्रायोगिक में

प्रथम सेमेस्टर के ताल पंचम सवारी और ताल रूद्र
द्वितीय सेमेस्टर के ताल– बसंत और शिखर ताल।

एम.पी.ए.(नियमित)
विषय–कथक नृत्य

शास्त्र– द्वितीय प्रश्न पत्र

सेमेस्टर–2

निबंध संरचना, लयकारी एवं प्रयोगात्मक सिंद्वात।

(Essay composition rhythmic pattern and principal of practical)

समय : 3 घण्टे	मिड टर्म	:	30
	प्रश्नपत्र	:	70
	पूर्णाक	:	100

इकाई–1

अ. नृत्य से सम्बन्धित सामान्य विषयों पर निबंध रचना।
(अ) अष्टनायिका भेदों का कथक नृत्य में प्रयोग।
(ब) कथक नृत्य में आंगिक और वाचिक अभिनय।
(स) कथक नृत्य एवं योग सहसम्बन्ध।

इकाई–2

(अ) ''शारदातनय का भाव प्रकाश'' के विषय वस्तु का अध्ययन।
(ब) कथक नृत्य में भाव, विभाव, अनुभाव एवं संचारी भाव का महत्व।

इकाई–3

(अ) आधुनिक नृत्य (मॉडर्न डांस) का अध्ययन।
(ब) नाट्यशास्त्र के अनुसार असंयुक्त एवं संयुक्त हस्तों का अध्ययन।

इकाई–4

(अ) प्रायोगिक पक्ष में सीखी गई ताल–
तीन ताल (16–मात्रा) बसंत (9–मात्रा) एवं शिखर (17–मात्रा) पर बोलो को लिपिबद्ध करने की क्षमता एवं लयकारी लेखन– आड़, कुआड़, बिआड़।
(ब) दिए गए कुटाक्षरों पर आधारित नृत्य के बोलों की रचना करने की क्षमता।
जैसेः–तत्, थुं, तक, धा, धिलांग, तकिट, धिकिट, नागेतिट, क्डधातेट, ता थेई, तत थेई, आ थेई, तिग्दादिगदिग थेई।

इकाई–5

अ. निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर दिए गए कथानकों पर नृत्य नाटिका की संरचना करने की क्षमता :–
(अ) द्रोपदी वस्त्र हरण (ब) अभिसारिका नायिका।
कथानक, पात्र चयन, मंच व्यवस्था, वेशभूषा, रूप सज्जा, पार्श्व संगीत, ताल एवं रस।

नोट– प्रायोगिक में मंच

प्रथम सेमेस्टर के ताल पंचम सवारी और ताल रूद्र

द्वितीय सेमेस्टर के ताल– बसंत और शिखर ताल।

एम.पी.ए.(नियमित)
विषय–कथक नृत्य
प्रायोगिक 1 (वायवा / मंच प्रदर्शन)
(Viva/ Stage Performance)
सेमेस्टर–2

समय : 3 घण्टे

मिड टर्म	:	30
प्रश्नपत्र	:	70
पूर्णांक	:	100

इकाई–1
1. तीन ताल में तिस्त्र व मिश्र जाति की परन, नवहक्का, गणेश परन, विभिन्न प्रकार के कवित्त, अतीत। अनागत के बोल एवं तोड़ा एवं परन फरमाइशी चक्करदार के साथ उच्चस्तरीय नृत्य प्रदर्शन।

इकाई–2
1. गतनिकास–घूँघट के विभिन्न प्रकार।
2. गतभाव– शूर्पणखा मानभंग अथवा सीताहरण।

इकाई–3
1. निम्नलिखित में से किसी एक ताल पर नृत्य प्रदर्शन की क्षमता–
   ताल बसंत और शिखर ताल।

इकाई–4
1. विष्णु वंदना एवं शिव वंदना पर भाव प्रदर्शन।
2. ठुमरी एवं तिरवट पर भाव नृत्य प्रदर्शन।

इकाई–5
1. आंतरिक मूल्यांकन– विषय के प्रति रूचि व ग्रहणशीलता, अन्य कक्षाओं में नृत्य अध्यापन की योग्यता।
2. पूर्व कक्षा में सीखी ताल एवं बंदिशों की पुनरावृत्ति।

प्रायोगिक–2

सेमेस्टर–2(मंच प्रदर्शन / वायवा)

(Stage Performance / Viva)

मिड टर्म : 30
प्रश्नपत्र : 70
पूर्णाक : 100

(1) आमंत्रित दर्शकों के समक्ष उच्चस्तरीय नृत्य का मंच प्रदर्शन।

(2) एम.पी.ए में नृत्य संरचना (Choreography)

आवश्यक निर्देश :– आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी। (1) कक्षा में सीखे गये तोडे–टुकडे, बंदीश आदि का लिपीबद्ध विवरण / नोटेशन (2) विश्वविद्यालय / महाविद्यालय एवं नगर में आयोजित नृत्य कार्यक्रमों की रिपोर्ट। इन फाईल्स का मूल्यांकन आन्तरिक परीक्षक को विद्यार्थियों की फाईल्स की ग्रेडिंग (श्रेणी) करके बाह्य परीक्षक के समक्ष प्रस्तुत करना होगा तथा छात्र–छात्राओं की उपस्थिति विवरण भी प्रस्तुत करना होगा, जिसके आधार पर बाह्य परीक्षक द्वारा अंतिम अंक मूल्यांकन किया जावेगा। जिस पर आंतरिक तथा बाह्य परीक्षक, दोनों के हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे।

संदर्भित पुस्तकें:–

1. भारतीय संस्कृति में कथक परंपरा (डॉ. मांडवी सिंह)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
3. ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में कथक नृत्य (डॉ. माया टाक)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग एक एवं दो (डॉ. पुरू दाधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्यौहार)
6. संगीत दर्पण (श्री दामोदर पंडित)
7. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)
8. नृत्य निबन्ध (डॉ. पुरू दाधीच)
9. कथक प्रसंग (श्रीमती रश्मि वाजपेयी)
10. कथक ज्ञानेश्वरी (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
11. कथक नृत्य परंपरा (डॉ. प्रम दवे)
12. भारत के लोक नृत्य (प्रो. मोहम्मद शरीफ)
13. अभिनय दर्पण (डॉ. पुरू दाधीच)
14. कथक के संदर्भ में नर्तन भेद (डॉ. भगवानदास माणिक)
15. हिन्दी नाट्य शास्त्र (भाग 1,2,3,4) (प्रो. बाबूलाल शुक्ल शास्त्री)
16. भारतीय नाट्य परम्परा में अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गैरोला)
17. अंग काव्य (पं. बिरजू महाराज)
18. अक्षरों की आरसी (डॉ. ज्योति बख्शी)
19. मध्य प्रदेश के लोक नृत्य।
20. कथक नृत्य का मंदिरों से संबंध ''जयपुर घराने के विशेष संदर्भ में''(डॉ. अंजना झा)

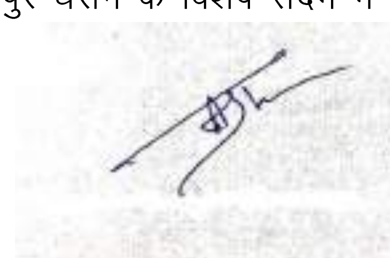

एम.पी.ए.(नियमित)
विषय–कथक नृत्य
शास्त्र– प्रथम प्रश्न पत्र
सेमेस्टर–3

कथक नृत्य का इतिहास एवं विकास

(History and Development of Indian Dance)

समय : 3 घण्टे

मिड टर्म	:	30
प्रश्नपत्र	:	70
पूर्णांक	:	100

इकाई–1

(अ) भारतीय नृत्य कला का इतिहास–पूर्व मध्य एवं मुगलकाल में भारतीय नृत्य कला के विकास की जानकारी।
(ब) कथक नृत्य के घराने एवं उनकी शैलीगत विशेषताएंः– लखनऊ एवं बनारस घराना।

इकाई–2

(अ) भारत के नाट्य शास्त्र के अनुसार 31से 60 तक करणों का अध्ययन।
(ब) आचार्य भरत के नाट्यशास्त्र एवं आचार्य नन्दिकेश्वर के अभिनय–दर्पण में वर्णित हस्त मुद्राओं का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–3

(अ) रासलीला की उत्पत्ति एवं विस्तृत अध्ययन तथा कथक नृत्य से उसका सम्बन्ध।
(ब) बैले की उत्पत्ति एवं पाश्चात्य नृत्यकला का अध्ययन।

इकाई–4

(अ) मृत्युलोक में शारदातनय के भाव प्रकाश के अनुसार नाट्य का प्रादुर्भाव।
(ब) बीसवीं शताब्दी में शास्त्रीय नृत्य की स्थिति।

इकाई–5

(अ) आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित ''अभिनय दर्पण'' के अनुसार गतिभेदों का विवरण।
(ब) संगीत रत्नाकर, नर्तन सर्वस्वम एवं आचार्य भरत मुनि द्वारा रचित नाट्यशास्त्र के अनुसार सोलह श्रृंगार एवं बारह आभूषणों का अध्ययन।

नोट–प्रायोगिक में

द्वितीय सेमेस्टर के ताल– बसंत और शिखर ताल।
तृतीय सेमेस्टर के ताल लक्ष्मी, ताल मत्त

एम.पी.ए.(नियमित)
विषय–कथक नृत्य
शास्त्र– द्वितीय प्रश्न पत्र
सेमेस्टर–3

निबंध संरचना, लयकारी एवं प्रयोगात्मक सिंद्वात।

(Essay composition rhythmic pattern and principal of practical)

इकाई–1

समय : 3 घण्टे

मिड टर्म	:	30
प्रश्नपत्र	:	70
पूर्णाक	:	100

1. नृत्य से सम्बन्धित सामान्य विषयों पर निबंध–
   (अ) गुरू शिष्य परम्परा एवं संस्थागत शिक्षण प्रणाली का तुलनात्मक अध्ययन।
   (ब) कथक नृत्य और नायिका भेद।
   (स) नृत्य के विकास में संचार माध्यमों की भूमिका।

इकाई–2

(अ) कथक नृत्य में भाव प्रदर्शन–ठुमरी एवं बैठकी भाव का अध्ययन।
(ब) जाति एवंयति भेदो का अध्ययन।

इकाई–3

(अ) नाट्य शास्त्र के अनुसार 61 से 108 तक करणों का विस्तृत अध्ययन।
(ब) नायिका भेदों का स्वभाव एवं अवस्था अनुसार विस्तृत अध्ययन।

इकाई–4

(अ) प्रायोगिक पक्ष में सीखी गई तालों लक्ष्मी, मत्तताल पर बोलों को लिपिबद्ध करने की क्षमता।
(ब) दिए गए कुटाक्षरों पर आधारित नृत्य के बोलों की रचना करने की क्षमता।
जैसेः– तिग्धा, दिगदिग, धिलांग, किटतक, कुकु, झनझन, ता थेई, तत थेई, आ थेई तिग्दादिगदिग थेई।

इकाई–5

अ. निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर दिए गए कथानकों पर नृत्य नाटिका की संरचना करने की क्षमता :–
(अ) सीताहरण (ब) खण्डिता नायिका।
कथानक, पात्र चयन, मंच व्यवस्था, वेशभूषा, रूप सज्जा, पार्श्व संगीत, ताल एवं रस।

नोट– प्रायोगिक में

प्रथम सेमेस्टर के ताल– बसंत और शिखर ताल।
द्वितीय सेमेस्टर के ताल लक्ष्मी, ताल मत्त।

एम.पी.ए.(नियमित)
विषय–कथक नृत्य
प्रायोगिक 1 (वायवा / मंच प्रदर्शन)

(viva/ Stage Performance)

MPA – Lacture Demostration

सेमेस्टर–3

समय : 3 घण्टे	मिड टर्म	:	30
	प्रश्नपत्र	:	70
	पूर्णाक	:	100

इकाई–1
तीन ताल में बादल परन, गजपरन, त्रिपल्ली, लयबांट आदि के साथ उच्चस्तरीय नृत्य प्रदर्शन की क्षमता। खंड, मिश्र एवं संकीर्ण जाति के बोल बन्दिशों का प्रदर्शन। जयपुर घराने की प्राचीन एवं घरानेदार दो बंदिशों का प्रदर्शन।

इकाई–2
गतभाव– द्रोपदी वस्त्र हरण
गतनिकास– मुरली के विभिन्न प्रकार

इकाई–3
कृष्ण वंदना अथवा सरस्वती वंदना पर भाव नृत्य प्रदर्शन।
ठुमरी, गजल अथवा चतुरंग पर भाव प्रदर्शन।

इकाई–4
निम्न में से किसी एक ताल पर नृत्य करने की क्षमता–
लक्ष्मी ताल, मत्त ताल

इकाई–5
1. आंतरिक मूल्यांकन– विषय के प्रति रूचि व ग्रहणशीलता, अन्य कक्षाओं में नृत्य अध्यापन की योग्यता।

प्रायोगिक–2

(मंच प्रदर्शन / वायवा)

(viva/ Stage Performance)

MPA – Lacture Demostration

सेमेस्टर–3

मिड टर्म	:	30
प्रश्नपत्र	:	70
पूर्णांक	:	100

आमंत्रित दर्शकों के समक्ष उच्चस्तरीय नृत्य का मंच प्रदर्शन।

आवश्यक निर्देश :– आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी। (1) कक्षा में सीखे गये तोडे–टुकडे, बंदीश आदि का लिपीबद्ध विवरण / नोटेशन (2) विश्वविद्यालय / महाविद्यालय एवं नगर में आयोजित नृत्य कार्यक्रमों की रिपोर्ट। इन फाईल्स का मूल्यांकन आन्तरिक परीक्षक को विद्यार्थियों की फाईल्स की ग्रेडिंग (श्रेणी) करके बाह्य परीक्षक के समक्ष प्रस्तुत करना होगा तथा छात्र–छात्राओं की उपस्थिति विवरण भी प्रस्तुत करना होगा, जिसके आधार पर बाह्य परीक्षक द्वारा अंतिम अंक मूल्यांकन किया जावेगा। जिस पर आंतरिक तथा बाह्य परीक्षक, दोनों के हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे।

संदर्भित पुस्तकें:–

1. भारतीय संस्कृति में कथक परंपरा (डॉ. मांडवी सिंह)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
3. ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में कथक नृत्य (डॉ. माया टाक)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग एक एवं दो (डॉ. पुरू दाधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्यौहार)
6. संगीत दर्पण (श्री दामोदर पंडित)
7. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)
8. नृत्य निबन्ध (डॉ. पुरू दाधीच)
9. कथक प्रसंग (श्रीमती रश्मि वाजपेयी)
10. कथक ज्ञानेश्वरी (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
11. कथक नृत्य परंपरा (डॉ. प्रम दवे)
12. भारत के लोक नृत्य (प्रो. मोहम्मद शरीफ)
13. अभिनय दर्पण (डॉ. पुरू दाधीच)
14. कथक के संदर्भ में नर्तन भेद (डॉ. भगवानदास माणिक)
15. हिन्दी नाट्य शास्त्र (भाग 1,2,3,4) (प्रो. बाबूलाल शुक्ल शास्त्री)
16. भारतीय नाट्य परम्परा में अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गैरोला)
17. अंग काव्य (पं. बिरजू महाराज)
18. अक्षरों की आरसी (डॉ. ज्योति बख्शी)
19. मध्य प्रदेश के लोक नृत्य।
20. कथक नृत्य का मंदिरों से संबंध ''जयपुर घराने के विशेष संदर्भ में''(डॉ. अंजना झा)

एम.पी.ए. (नियमित)
विषय–कथक नृत्य

शास्त्र– प्रथम प्रश्न पत्र

सेमेस्टर–4

कथक नृत्य का इतिहास एवं विकास
(History and development of Indian dance)

समय : 3 घण्टे

मिड टर्म	: 30
प्रश्नपत्र	: 70
पूर्णांक	:100

इकाई–1
(अ) संस्कृत साहित्य एवं पुरातत्व मूर्तिकला में नृत्य का उल्लेख।
(ब) कथक नृत्य के निम्न घराने एवं उनकी शैलीगत विशेषताएंः– जयपुर एवं रायगढ़ घराना।

इकाई–2
(अ) कथक नृत्य की समकालीन सुप्रसिद्ध महिला कलाकारों का परिचय एवं कथक नृत्य में उनका योगदान। विदुषी कुमुदिनी लाखिया, विदुषी रोहिणी भाटे, विदुषी सुनयना हजारी लाल, विदुषी सितारादेवी।
(ब) निम्नलिखित शास्त्रीय नृत्य शैलियों का अध्ययन–कुचिपुड़ी, मोहिनी अटट्म, सत्रीया।

इकाई–3
(अ) यक्षगान, रामलीला, नोटंकी तथा नक्काली आदि लोकनाट्यों का संक्षिप्त परिचय।
(ब) भारत सरकार एवं संस्थाओं द्वारा कथक नृत्य की लोकप्रियता हेतु किये गये प्रयास।

इकाई–4
(अ) आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित अभिनय दर्पण में वर्णित विष्यवस्तु का संक्षिप्त अध्ययन।
(ब) संगीत रत्नाकर के नृत्याध्याय (सप्तम) का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–5
(अ) वैदिकोत्तर काल में नृत्य के ऐतिहासिक संदर्भों का अध्ययन।
(ब) नृत्य और आध्यात्म।

नोट–प्रायोगिक में
तृतीय सेमेस्टर के ताल– लक्ष्मी ताल, मत्त ताल ।
चतुर्थ सेमेस्टर के ताल– रास ताल या अर्जुन ताल।

एम.पी.ए.(नियमित)
विषय–कथक नृत्य
शास्त्र– द्वितीय प्रश्न पत्र
सेमेस्टर–4

निबंध संरचना, लयकारी एवं प्रयोगात्मक सिंद्धात।

(Essay composition rhythmic pattern and principal of practical)

समय : 3 घण्टे

मिड टर्म	:	30
प्रश्नपत्र	:	70
पूर्णांक	:	100

इकाई–1
निम्नलिखित नृत्यों से सम्बन्धित विषयों पर निबंध रचना–
(अ) भारतीय रंगमंच का स्वरूप और परम्परा।
(ब) मध्यकालीन नृत्य परम्परा पर मुस्लिम प्रभाव।
(स) भारतीय शास्त्रीय नृत्य की विदेशों में लोकप्रियता।

इकाई–2
(अ) ताल के दस प्राणों का अध्ययन ।
(ब) नाट्य शास्त्र के अनुसार भ्रकुटि भेदों का श्लोक सहित अध्ययन।

इकाई–3
(अ) अशोक मल्ल के नृत्याध्याय की विषयवस्तु का संक्षिप्त अध्ययन।
(ब) नायिका भेदों की उदाहरण सहित व्याख्या एवं नृत्य में उसका महत्व।

इकाई–4
(अ) प्रायोगिक पक्ष में दिये गये तालों में – रास ताल एवं चौताल ताल तोड़े, परन, बोल आदि का निर्माण कर, लिपिबद्ध करने की क्षमता।
दिए गए कुटाक्षरों पर आधारित नृत्य के बोलों की रचना करने की क्षमता।
जैसेः– तत, थुं, तिगदा, दिगदिग, तकतक, धुमकिट, धा इत्यादि।

इकाई–5
(अ) निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर दिए गए कथानकों पर नृत्य नाटिका की संरचना करने की क्षमता –
1. होलिका दहन।
2. विश्वामित्र मेनका
3. जटायू मोक्ष

कथानक, पात्र, चयन, मंच व्यवस्था, वेशभूषा, रूप सज्जा, पार्श्व संगीत, ताल एवं रस।

नोट–प्रयोगिक में
तृतीय सेमेस्टर के ताल –लक्ष्मी ताल, मत्त ताल।
चतुर्थ सेमेस्टर के ताल –रास ताल या चौताल।

प्रायोगिक 1 (वायवा / मंच प्रदर्शन)

(viva/ Stage Performance)

MPA – Choreography

सेमेस्टर–4

मिड टर्म	:	30
प्रश्नपत्र	:	70
पूर्णांक	:	100

इकाई–1

(अ) जयपुर घराने की पारम्परिक बंदिशों का प्रदर्शन।

(ब) थाट, उठान, आमद, प्रिमलू, कमाली परन, त्रिपल्ली, विकसित तिहाईयों के साथ नृत्य प्रदर्शन।

इकाई–2

(अ) गत निकास पूर्व में सीखे गये गतनिकासों की पुनरावृत्ति।

(ब) गत भाव–दशावतार एवं राधा–कृष्ण की छेड़–छाड़।

इकाई–3

(अ) दुर्गास्तुति एवं श्रीरामस्तुति पर भाव प्रदर्शन।

(ब) ध्रुपद एवं ठुमरी पर भावप्रदर्शन अथवा आधुनिक कवियों की रचनाओं का प्रदर्शन।

इकाई–4

निम्नलिखित मे से किसी एक ताल पर नृत्य प्रदर्शन–

रास ताल या ताल चौताल

इकाई–5

विषय के प्रति रूचि व ग्रहणशीलता, अन्य कक्षाओं में नृत्य अध्यापन की योग्यता एवं नृत्य निर्देशन की क्षमता का विकास नृत्य नाटिका (बैले), पौराणिक कथा अथवा वाद्य संगीत।

पूर्व कक्षा में सीखी गई ताल एवं बंदिशों की पुनरावृत्ति।

एम.पी.ए.(नियमित)

विषय–कथक नृत्य शास्त्रप्रायोगिक–2

(मंच प्रदर्शन / वायवा) (Stage Performance)

सेमेस्टर–4MPA – Choreography

मिड टर्म	:	30
प्रश्नपत्र	:	70
पूर्णांक	:	100

(1) आमंत्रित दर्शकों के समक्ष उच्चस्तरीय नृत्य का मंच प्रदर्शन।

(2) एम.पी.ए. कोरियोग्राफी (Choreography)

आवश्यक निर्देश :– आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी। (1) कक्षा में सीखे गये तोडे–टुकडे, बंदीश आदि का लिपीबद्ध विवरण / नोटेशन (2) विश्वविद्यालय / महाविद्यालय एवं नगर में आयोजित नृत्य कार्यक्रमों की रिपोर्ट। इन फाईल्स का मूल्यांकन आन्तरिक परीक्षक को विद्यार्थियों की फाईल्स की ग्रेडिंग (श्रेणी) करके बाह्य परीक्षक के समक्ष प्रस्तुत करना होगा तथा छात्र–छात्राओं की उपस्थिति विवरण भी प्रस्तुत करना होगा, जिसके आधार पर बाह्य परीक्षक द्वारा अंतिम अंक मूल्यांकन किया जावेगा। जिस पर आंतरिक तथा बाह्य परीक्षक, दोनों के हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे।

संदर्भित पुस्तकें:–

1. भारतीय संस्कृति में कथक परंपरा (डॉ. मांडवी सिंह)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
3. ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में कथक नृत्य (डॉ. माया टाक)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग एक एवं दो (डॉ. पुरू दाधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्यौहार)
6. संगीत दर्पण (श्री दामोदर पंडित)
7. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)
8. नृत्य निबन्ध (डॉ. पुरू दाधीच)
9. कथक प्रसंग (श्रीमती रश्मि वाजपेयी)
10. कथक ज्ञानेश्वरी (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
11. कथक नृत्य परंपरा (डॉ. पम दुबे)
12. भारत के लोक नृत्य (प्रो. मोहम्मद शरीफ)
13. अभिनय दर्पण (डॉ. पुरू दाधीच)
14. कथक के संदर्भ में नर्तन भेद (डॉ. भगवानदास माणिक)
15. हिन्दी नाट्य शास्त्र (भाग 1,2,3,4) (प्रो. बाबूलाल शुक्ल शास्त्री)
16. भारतीय नाट्य परम्परा में अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गैरोला)
17. अंग काव्य (पं. बिरजू महाराज)
18. अक्षरों की आरसी (डॉ ज्योति बख्शी)
19. मध्य प्रदेश के लोक नृत्य।
20. कथक नृत्य का मंदिरों से संबंध ''जयपुर घराने के विशेष संदर्भ में''(डॉ. अंजना झा)